This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6306**

Unique Paper Code : **2323100009**

Name of the Paper : **Understanding Savarkar**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Political Science**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Evaluate Vinayak Savarkar as a historian with special reference to his book The Indian War of Independence 1857'.

'दी इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस 1857' पुस्तक का विशेष सन्दर्भ देते हुए विनायक सावरकर का एक इतिहाकसार के रूप में मूल्यांकन कीजिए।

P.T.O.

2. Examine Savarkar's contribution to Indian National Movement.

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में सावरकर के योगदान का परीक्षण कीजिए

3. Compare the political thoughts of Savarkar with those of Gandhi in the context of the methods employed by them in the anti-colonial struggle.

उपनिवेशवाद-विरोधी संघर्ष में सावरकर और गाँधी द्वारा प्रयुक्त विधियों की पृष्ठभूमि में दोनों के राजनीतिक विचारों की तुलना कीजिए।

4. How has the writings and political thoughts of Savarkar influenced the Indian society ?

सावरकर की रचनाओं और राजनीतिक विचारों ने भारतीय समाज को किस प्रकार से प्रभावित किया है ?

5. 'Swaraj without Swadharma is despicable and Swadharma without Swaraj is powerless.' In the light of this statement, describe the centrality of Swaraj and Swadharma in Savarkar's conceptualization of nationalism.

'स्वधर्म के बिना स्वराज निंदनीय है और स्वराज के बिना स्वधर्म शक्तिहीन होता है।' उक्त कथन के प्रकाश में सावरकर की राष्ट्रवाद की अवधारणा में स्वराज और स्वधर्म के केन्द्रीय महत्व का वर्णन कीजिए।

6. Analyse the views of Savarkar on the question of national language in India.

भारत में राष्ट्रीय भाषा के प्रश्न पर सावरकर के विचारों का विश्लेषण कीजिए।

7. Critically examine the views of Savarkar on the issue of caste-system in India.

भारत में जाति–व्यवस्था के विषय पर सावरकर के विचारों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

8. Discuss the idea of Hindutva as propounded by Savarkar with references to his concepts of 'Pitraboomi' and 'Punyabhoomi'.

सावरकर द्वारा प्रतिपादित 'पितृभूमि' और 'पुण्यभूमि' की अवधारणाओं का संदर्भ देते हुए उनके हिंदुत्व के विचार की विवेचना कीजिए।

9. 'Dharma means history, Dharma means Rastra.' In the view of this statement by Savarkar, scrutinize his views on religious conversion.

'धर्म का अर्थ है इतिहास, धर्म का अर्थ है राष्ट्र।' सावरकर के उक्त कथन के आलोक में धर्मान्तरण पर उनके विचारों की समीक्षा कीजिए।

10. Write short notes on any *two* of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*a*) Six Glorious Epochs of Indian history

भारतीय इतिहास के छः सुनहरे पृष्ठ

(*b*) Savarkar's views on untouchability

छुआछूत पर सावरकर के विचार

(*c*) Savarkar and Hindu Mahasabha

सावरकर और हिन्दू महासभा

(*d*) Literary writings of Savarkar

सावरकर की साहित्यिक रचनाएँ